11:59 AM Wed 15 Jun

84%

Fwd: HPP 11 July, 2022 (Day 1) 15-06-2022 Inbox

surat pyari srivastava 11:58 AM
to me

Proof of day 1st of Hindi Prem Pracharak dated 11 July 2022 (special number) is submitted for Gracious approval and guidance.
Surat Pyari,
Editor HPP.

Most humbly submitted for Gracious guidance/information please.

GH

Perused By Way of Information Only,
Subject To Legalise/Legalese/"Laws of the Land".

Wednesday, 15-06-2022, 03:33 PM
Received, Wednesday, 15-06-2022, 12:28 PM

President
15.06.2022

राधास्वामी दयाल की दया राधास्वामी सहाय

एक प्रति रु. 1
वार्षिक चंदा
दयालबाग़ : रु. 22
अन्य : रु. 45
विदेश : रु. 855
e-pp देश में : रु. 30
विदेश : रु. 215

हिन्दी प्रेम प्रचारक
साप्ताहिक

ISSN 0974-8253
RNI No. 2389/57
Regd.No. आगरा/045/2021-23
Licence No.
Agra/WPP-06/2021-2023
to Post without
Pre-payment at Dayalbagh
Sub-Post Office

सरन तेरी हम आये प्रभू जी, लाज हमारी तुमको ॥
राजनीति सद् भक्ति रीति, दोई सिखाओ हमको ॥

अर्ध–शतक 101 | राधास्वामी संवत् 204 | अंक 35
दयालबाग़, आगरा, सोमवार, 11 जुलाई, 2022

मंगलवार, 5 जुलाई, 2022, दिवस 1

चेतो मेरे प्यारे, तेरे भले की कहूँ ।।01।।
गुरु तो पूरा ढूँढ़, तेरे भले की कहूँ ।।02।।
बचन गुरू के मान, तेरे भले की कहूँ ।।09।।
गुरु को कर परसन्न, तेरे भले की कहूँ ।।10।।
वक्त़ गुरू को मान, तेरे भले की कहूँ ।।37।।
जो गुरु कहें सो मान, तेरे भले की कहूँ ।।43।।

(सारबचन, ब.19, श.1)

परम गुरु हुज़ूर डॉ. लाल साहब
के भंडारे के पावन अवसर पर यह
प्रेम प्रचारक – विशेषांक
उनके चरण कमलों में अत्यंत श्रद्धा व दीनता के साथ सादर समर्पित है।

बसंत 19 जनवरी, 1983– आप सबको यह भी मालूम है कि दयालबाग़ की नींव बसंत के दिन 20 जनवरी, सन् 1915 को रक्खी गई थी। दयालबाग़ तब से निरन्तर बढ़ रहा और बड़ा हो रहा है। अपनी बचपन की अवस्था व किशोर अवस्था पार करके अब युवावस्था को प्राप्त हो रहा व उसमें पदार्पण कर रहा है। साथ ही दयालबाग़ की अपनी Responsibilities (ज़िम्मेदारियाँ) बढ़ रही हैं और अपनी activities (संस्थाएँ) भी expand कर (विस्तृत हो) रही हैं। काम के नये Programmes सामने हैं। कठिन प्रोग्राम्स हैं, मेहनत का काम है Exacting (दुस्साध्य) Programmes हैं लेकिन **परम गुरु साहबजी महाराज फ़रमा** गये हैं कि सतसंग मंडली को हुज़ूर राधास्वामी दयाल ने **जगत–सेवा** के लिये चुन लिया है और ऐसा भी फ़रमाया है कि सतसंगी अपने को chosen ones (चुने हुए व्यक्ति) समझें तो फिर हमको ज़्यादा फ़िकर नहीं करना चाहिये। आप को सोचना चाहिये कि कैसे काम किया जाये ? कैसे इस बड़े काम में आप हिस्सा लें ? क्या आपका participation (हिस्सेदारी) हो, कैसे participation हो ? हुज़ूर साहबजी महाराज यह भी फ़रमा गये हैं कि हम सब को उसी **परम पिता** के बच्चे होने का खयाल रखना चाहिये यानी एक **"Brotherhood" (भ्रातृत्व–भाईचारा)**–असली brotherhood कायम करना चाहिये। सतसंगियों को Social Status (सामाजिक स्थिति) और जात–पाँत का विचार छोड़ कर के एक दूसरे से **बराबरी का व्यवहार** करना चाहिये। मैं इसको **Equality in Fraternity** (बिरादरी में समता) कहूँगा।

किसी भी काम के करने में **Discipline (अनुशासन) की सख्त जरूरत होती है।** Discipline हो, साथ ही साथ **Humility (दीनता)** हो। हम अपनी ज़िम्मेदारी महसूस कर के दीनता के साथ निभाएँ। **सतसंग की सेवा और सतसंग के लिये क़ुरबानी** के लिये तैयार हो जाना चाहिये। **तन मन धन से सतसंग की जितनी सेवा** हमसे हो सके, जिससे जितनी हो सके, करनी चाहिये। सेवा करने के लिये उमंग चाहिये, उत्साह चाहिये और साथ ही साथ लगन भी चाहिये।

परम गुरु हुज़ूर डॉ. लाल साहब द्वारा फ़रमाए गए बचन का अंश
(प्रेम प्रचारक 17–24 जनवरी, 1983)

दयालबाग़ समाचार

दिनांक	अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान	सापेक्षिक आर्द्रता
13.06.2022	43.5°C	35.2°C	36.2%

(Complete CALYPSO of Noble Ultimate Reality/Truth Perceived by the Sovereign Republic of India!!! Fully Conforming to WHO 2021 Limits & as Evidenced by Perfection Oriented, Dynamic & Emergent, Super Human Beings : Ushering in the so-called Fifth Industrial Revolution, with the capacity to feed estimated 11 Billion People on Planet Earth while Synthesizing Unity With Duality at WILL, no longer Deterred by Fear of Dissolution & Greater Dissolution as Surmised by the International Community, proposing to dump the debris of International Space Station (ISS) at Point Nemo, under the Solar System Galaxy for the Inevitable Merger/Synthesis/Unity with the neighbouring Magsian Galaxy (Via Trinity, Within Trinity, Within Trinity) Mode of Synthesis (Invoking Lacto-vegetarianism (लैक्टो - शाकाहार) and Continuing Perfection of Blissfulness Forever & Ever- Meriting conformity with the latest Supreme Court of India Dispensation.)
Sustained Three Cheers for DEI (Deemed to be University)!!! (Promoting Spiritual Trinity of Evolutionary/Re-evolutionary Dynamics of Progressive Unity under the Perfect Regime of the Supreme Being- the Lord-God of All Creational Universe!!!...) Under the Unique Synthesis of Co-op. with Co-ed.; already achieved as a Ground-Reality by DEI (For District, State, Region, Nation & Trans-Nation Applications...)

Wednesday, 15-06-2022, 03:32 PM